www.sanjanabharati.com

गौतम बुद्ध नगर और दिल्ली से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : UPHIN/2022/83688

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 समृद्ध का एहसास कराता है धनतेरस

3 धनतेरस पर असंध तहसील में सुचारू रूप से...

4 छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

वर्ष: 3 | अंक: 354 | गौतम बुद्ध नगर, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

दिवाली से पहले खाते में आ सकते हैं 2000 रुपये

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को एक बार फिर राहत की उम्मीद है। केंद्र सरकार जल्द ही इस योजना की 21वीं किस्त जारी करने की तैयारी में है। बता दें कि पीएम किसान योजना के तहत पात्र किसानों को हर साल 6000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है, जो तीन बराबर किस्तों में यानी हर चार महीने में 2000 रुपये के रूप में मिलती हैं। मौजूदा जानकारी के अनुसार, अब तक देशभर के करोड़ों किसानों को 20 किस्तों का लाभ मिल चुका है, और 21वीं किस्त अक्टूबर के अंत या दिवाली से पहले जारी की जा सकती है। हालांकि, सरकार की ओर से किस्त जारी करने की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत 2019 में की गई थी, ताकि किसानों को खेती से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए सीधी वित्तीय सहायता दी जा सके। इस योजना का लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलता है जिनका नाम लाभार्थी सूची में शामिल है। अगर कोई किसान यह जानना चाहता है कि उसका नाम लाभार्थी सूची में है या नहीं, तो वह पीएम किसान की आधिकारिक वेबसाइट pmkisan.gov.in पर जाकर यह जानकारी प्राप्त कर सकता है।

अब भारत से कोई दादागिरी नहीं कर सकता-राजनाथ सिंह

लखलऊ (एजेन्सी)। राजनाथ सिंह ने एक बड़ा बयान दिया है। राजनाथ सिंह ने दम भरते हुए कहा कि आज, जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है, तो दुनिया ध्यान से सुनती है कि भारत क्या कह रहा है। अब भारत के साथ कोई दादागिरी नहीं कर सकता' और मुझे लगता है कि दुनिया का कोई भी देश ऐसी गलतफहमी नहीं पालेगा। इससे पहले राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग और बुकमायशो के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता

दिल्ली अब बदल चुकी है, बनेगी भारत की Concert Economy की धड़कन : पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के तत्वावधान में हयात होटल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली पर्यटन और बुकमायशो लाइव के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती बांसुरी स्वराज, बुकमायशो के वरिष्ठ अधिकारी, दिल्ली पुलिस, EEMA (Event and Entertainment Management Association) के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह साझेदारी दिल्ली को विश्वस्तरीय लाइव एंटरटेनमेंट और कॉन्सर्ट्स का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

इस अवसर पर श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'Concert Economy' और 'Live Entertainment' का दूरदर्शी विजन प्रस्तुत किया है और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बदलाव को अकेले कोई सरकार नहीं ला सकती, इसमें इंडस्ट्री का सहयोग आवश्यक है। जो MoU साइन हुआ है, वह इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि अब दिल्ली में ऐसा माहौल बनेगा कि दुनिया के सबसे बड़े आयोजन यहीं हों। उन्होंने Venue rentals में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया जी और Sports Authority of India का आभार व्यक्त किया।

श्री मिश्रा ने आगे कहा कि अगले दो वित्तीय वर्षों में दिल्ली की अर्थव्यवस्था में केवल Live Entertainment और Concert Economy से कम-से-कम 3,000 करोड़ रुपया का नया योगदान जोड़ने का लक्ष्य है। इसके लिए नीति सुधार, पर्यावरणीय अनुमतियों, Single Window Clearance और VIP कल्चर को खत्म करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली केवल राजनीतिक राजधानी नहीं है, बल्कि यह भारत की संस्कृति, सभ्यता और इतिहास का केंद्र भी है। दिल्ली में दुनिया की विविध संस्कृतियाँ एक साथ सांस लेती हैं और हमारा उद्देश्य इसे और सशक्त बनाना, Amplify करना और Celebrate करना है।

श्री मिश्रा ने इवेंट इंडस्ट्री, कलाकारों, डिजाइनर्स और प्लानर्स सभी से यह आह्वान किया कि इस परिवर्तन का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि 2047 के विकसित भारत का चेहरा दिल्ली से दिखाई देगा और नई दिल्ली इस सफर में नेतृत्व करेगी। शहर तेजी से बदल रहा है, नए वेन्यूज, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुंदर Riverfront अगले दो-तीन वर्षों में दिल्ली की नई पहचान बनेंगे। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इंडस्ट्री को हर प्रकार का सहयोग मिले।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं है, बल्कि भारत का दिल है और नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र उस दिल की धड़कन है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और बुकमायशो के सहयोग से यह आयोजन संभव हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली अब 'Concert Economy' के केंद्र के रूप में उभर रही है, जो युवाओं के लिए रोजगार, नवाचार और सृजनात्मकता के नए अवसर लाएगी।

दिल्ली पर्यटन और बुकमायशो के बीच हुआ यह समझौता राजधानी को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आने वाले महीनों में दिल्ली में 30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है, जो विकसित भारत 2047 के सांस्कृतिक विजन को साकार करेंगे।

वोकल फॉर लोकल से पूरा होगा विकसित दिल्ली का लक्ष्य: इन्द्राज

■ समाज कल्याण मंत्री ने कुम्हार कॉलोनी, उत्तम नगर में कुम्हार भाइयों से की खरीदारी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शुक्रवार को उत्तम नगर स्थित कुम्हार कॉलोनी में मिट्टी की कला से जुड़े कारीगरों एवं कुम्हार भाइयों से संवाद किया और स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी भी की। इस अवसर पर कुम्हार समाज ने मंत्री का भव्य स्वागत किया। संवाद के दौरान उत्तम नगर से विधायक श्री पवन शर्मा भी मौजूद रहे।

श्री इन्द्राज ने स्थानीय दुकानदारों से मिट्टी के दीपक, बर्तन और सजावटी वस्तुएँ खरीदकर वोकल फॉर लोकल अभियान को प्रोत्साहित किया। उन्होंने ऑनलाइन भुगतान कर स्थानीय दुकानदारों से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के आह्वान से देश में स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय उद्योगों को नई पहचान मिली है। कैबिनेट मंत्री ने कारीगरों की परंपरागत कला, परिश्रम और सृजनशीलता की सराहना की और दिल्लीवासियों से भी स्थानीय कलाकारों और कारीगरों से खरीदारी करने का आग्रह किया ताकि इस दीवाली पर उनकी मेहनत और हुनर का सम्मान हो। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, स्वदेशी उद्योगों और मेक इन इंडिया को भी नई पहचान मिलेगी और विकसित दिल्ली का लक्ष्य भी पूरा होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से प्रजापति समाज को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली सरकार हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करने और कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

श्री इन्द्राज सिंह ने बताया कि सरकार प्रजापति समाज की मांग पर माटी कला बोर्ड के गठन पर भी विचार कर रही है ताकि कुम्हार समाज के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरी केवल व्यवसाय नहीं, भारत की सांस्कृतिक पहचान भी है। हर शुभ कार्य को हम दीपक जलाकर ही शुरू करते हैं, कुम्हार समाज के लोग सृजनकर्ता हैं, यह उनका गौरव है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मिट्टी से सोना और भगवान बनाने वाले प्रजापति समाज को पूर्ववर्ती सरकारों में सिर्फ उपेक्षा का सामना करना पड़ा, दिल्ली सरकार अब तकनीकी सहयोग और आवश्यक प्रोत्साहन के जरिये उनके समग्र विकास में सहयोग करेगी।

हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मोदी मॉडल चल रहा है: नायब सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मोदी मॉडल चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार महत्वपूर्ण संकल्पों को पूरा किया जा रहा है। विकास के पथ पर अग्रसर हरियाणा निरंतर तरक्की की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने यह बात पंचकूला के रेस्ट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से सवाल जवाब के दौरान कहीं। उन्होंने बिहार दौरे के संबंध में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मैं बिहार प्रचार के लिए जा रहा हूँ। कांग्रेस के शासन को जनता ने देखा हुआ है, बात बिहार की हो या पंजाब की, जनता विकास चाहती है। पंजाब के संबंध में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कांग्रेस और अब आम आदमी पार्टी ने वहां सब्जबाग दिखाएं है, झूठ बोलकर सत्ता हासिल कर ली। 2027 में वहां की जनता इन्हें जवाब देगी।

मुख्यमंत्री के चेहरे पर मुस्कान पर विपक्ष के नेताओं द्वारा सवाल उठाये जाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, या तो वो धरने पर बैठ जाते हैं या फिर इस प्रकार की बाते करते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता खुश है, इसलिए मेरे चेहरे पर मुस्कान रहती है। उन्होंने विपक्ष के नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि हंसना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान दौरे के वक्त कई कंपनियों ने हरियाणा आने की इच्छा जाहिर की है। महाभारत का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बर्बरीक को केवल सुदर्शन नजर आ रहा था, वैसे ही जापान में केवल और केवल मोदी-मोदी ही लोग कह रहे थे। जिस भी व्यक्ति से वहां बात हुई या जो भी उनसे मिला, उन्होंने पीएम श्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों को सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन के इस दौरे में 5 हजार करोड़ से ज्यादा के एमओयू साइन हुए है।

इस दौरान मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, विधायक श्रीमती शक्तिरानी शर्मा, डीजीपी श्री ओपी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग, पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हमारा संकल्प, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' : योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

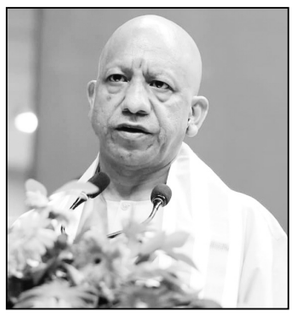

लखनऊ। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति को आज भी अपनाए हुए हैं। ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश की एकता और अखंडता कमजोर हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके। लेकिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा और केंद्र व राज्य की सरकारें सरदार पटेल के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करने के लिए कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष समाज को बांटने की राजनीति कर रहा है, तब भाजपा की जिम्मेदारी है कि एकता और अखंडता के संदेश को हर गांव और हर विधानसभा तक पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। इसके बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी एकता पदयात्रा निकाली जाएगी। इसमें आर्मी के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा।

मान सरकार रियल एस्टेट सेक्टर में काम करना आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध: हरदीप सिंह मुंडियां

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। रियल एस्टेट सेक्टर में सकारात्मक बदलाव के लिए पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में गठित की गई सेक्टर-विशेष कमेटी की पहली बैठक पुडा भवन, एस.ए.एस. नगर में हुई।

बैठक में उपस्थित कमेटी सदस्यों को संबोधित करते हुए आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार रियल एस्टेट सेक्टर द्वारा राज्य के विकास में दिए जा रहे योगदान को भली-भांति समझती है, क्योंकि इस क्षेत्र की तरक्की से राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सेक्टर-विशेष कमेटी सरकार को अपने सुझाव देकर रियल एस्टेट क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगी।

बैठक में पंजाब सी.आर.ई.डी.ए.आई. के अध्यक्ष श्री जगजीत सिंह माझा ने रियल एस्टेट सेक्टर में संरचनात्मक नीतियाँ बनाने के लिए कमेटी गठित करने के सरकार के इस कदम की सराहना की।

कमेटी के चेयरमैन श्री दीपक गर्ग (डायरेक्टर, माबेर्ला ग्रुप) ने बैठक के दौरान पंजाब सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि कमेटी सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएगी। बैठक में यह भी सहमति बनी कि आने वाले दिनों में जालंधर और लुधियाना में बिल्डरों और संबंधित विकास प्राधिकरणों के बीच बैठकें आयोजित की जाएंगी ताकि इन शहरों में रियल एस्टेट क्षेत्र में और निवेश की रूपरेखा तैयार की जा सके। रियल एस्टेट सेक्टर को अधिक निवेश-अनुकूल और प्रोत्साहन देने के लिए बैठक में सभी सदस्यों द्वारा कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई-जैसे सी.एल.यू., एल.ओ.आई., लाइसेंस और अन्य स्वीकृतियों को जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाना, पार्शियल कंप्लीशन सर्टिफिकेट और कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी करने को सरल बनाना, तथा प्लॉटों की हाइपोथिकेशन और डी-हाइपोथिकेशन की प्रक्रिया को और सुगम बनाने संबंधी तुरंत आवश्यक कदम उठाने पर सहमति जतायी गयी।

बदायूं क्लब में दीवाली उत्सव की मची धूम, रंगारंग प्रस्तुतियों, गरबा पर बच्चों ने किया धमाल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन बदायूं। बदायूं क्लब, बदायूं के द्वारा आयोजित दीवाली उत्सव में देर रात तक रंगारंग कार्यक्रमों एवं रोचक मनोरंजक प्रस्तुतियों ने खूब धमाल मचाया। क्लब के सदस्य क्या जवान या वृद्ध, महिला बच्चों सहित अतिथियों ने भी खूब आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ क्लब के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। गणेश वन्दना पीहू वसिष्ठ द्वारा प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में विशिष्ट क्षेत्राधिकारी रजनीश उपाध्याय का क्लब के सचिव डॉ. अक्षत अशेष द्वारा माला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्लब के बहुत प्रतिभा है और ऐसे मंच का होना जनपद की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। सभी सदस्यों को दीवाली की बधाई देते हुये कहा, दीवाली का त्यौहार खुशियों एवं समृद्धता का त्यौहार है और आप सब इस दीवाली अपने आसपास रहने वाले कुछ बेसहारा व वंचित लोगों के त्यौहार में भी समृद्धता लाने का प्रयास करें।

इस अवसर पर क्लब सदस्यों के बच्चों ने एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति देकर मन होह लिया, प्रमुख रूप से वैभवी विजय गुप्ता, पीहू, विराज अशेष, अविधा अरोरा, धवनि, अनिका जैन द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुति की गईं। लार्ड कृष्णा इंटर नेशनल स्कूल के बच्चों द्वारा गरवा और डांडिया का लोक लुभावन नृत्य प्रस्तुत किया गया, अनमोल आहूजा ने म्यूजिकल सरप्राइज गेम्स के रोचक कार्यक्रम में सदस्यों को खूब लुभाया। जोड़ी के गेम में अरिहंत हैं लिया जैन की जोड़ी और प्रदीप राठौर और उनकी पत्नी प्रथम रहे। कृतिका रस्तोगी की नारी शक्ति पर विशेष प्रस्तुति और रजनी मिश्रा द्वारा गीत प्रस्तुत किया। ऋचा अशेष ने अपने हास्य से परिपूर्ण गेम्स में क्लब के अनेक सदस्यों को मंच पर बुला कर खिलाया। कार्यक्रम के अन्त में अतिथियों द्वारा सभी प्रस्तुति करने वाले बच्चों व सदस्यों कोपुरस्कारों से पुरस्कृत किया। अन्त में लकी ड्रा निकाला गया। लकी ड्रा का प्रथम स्थान वरिष्ठ सदस्य एनुल हुदा नकवी ने जीता। समय वधता का पुरूस्कार शरद रस्तोगी ने जीता। उत्सव में नगर की अनेक महिलाओं ने हाथ से बानी हुयी वस्तुओं के सुन्दर स्टाल भी लगाए।

इस अवसर पर कार्यक्रम में टीकाराम एन्ड संस ज्वेलर के नितिन वैश्य, बदायूं सिटी मॉल के नितिन अग्रवाल, जी एस हीरो के अनुपम गुप्ता जिम्मी, वेदव्रत त्रिवेदी, सोनरूपा विशाल, मणि गुप्ता, अनूप रस्तोगी, दीपक सक्सेना, मनीष सिंघल, कुलदीप रस्तोगी, संजय रस्तोगी, शैलेन्द्र अग्रवाल, डॉ. राम बहादुर व्यथित, वीरेन्द्र धींगड़ा, प्रशांत कोहली, उपेन्द्र गुप्ता, विशाल रस्तोगी, क्षितिज शंखधार, परविन्दर सिंह दुआ, नरेश चन्द्र शंखधार, नितिन गुप्ता, डॉ, आदित्यहरी गुप्ता, विकास आहूजा, आदि उपस्थितरहे। आभार प्रदर्शन क्लब सचिव डॉ. अक्षत अशेष ने किया। अन्त में आतिशबाजी के साथ समापन हुआ, संचालन सांस्कृतिक सचिव रविन्द्रमोहन सक्सेना ने किया।

अयोध्या दीपोत्सव 2025

महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से होगी निगरानी

संजना भारती संवाददाता

अयोध्या। दीपोत्सव 2025 इस बार न सिर्फ भव्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा, बल्कि यह तकनीकी प्रबंधन का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहली बार दीपोत्सव में महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से इतने बड़े पैमाने पर निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 11 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरे तैनात किए जा रहे हैं, जो चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे। ये एआई कैमरे लता चौक, धर्म पथ, राम पथ और राम की पैड़ी पर लाइव रहेंगे, जिससे चारो तरफ से आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जाएगी।

कैमरे न केवल भीड़ का हेड काउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी करेंगे: डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि इस बार दीपोत्सव में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने अभूतपूर्व कदम उठाया है। एआई कैमरे न केवल भीड़ का हेड काउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी कर सकेंगे। अगर किसी क्षेत्र में भीड़ अधिक होती है, तो तुरंत इन कैमरों के जरिए अफसरों तक अलर्ट भेजा जाएगा। जिसके जरिए तुरंत क्राउड मैनेजमेंट कर लिया जाएगा।

पूरे आयोजन क्षेत्र को एआई कैमरों से कवर कर लिया जाएगा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर

11 एआई कैमरे एक्टिव मोड में रहेंगे। मेला क्षेत्र में इन कैमरों की टेस्टिंग हो गई है। पूरे आयोजन क्षेत्र को 11 एआई कैमरों से कवर कर लिया जाएगा। दीपोत्सव के दौरान इन कैमरों के माध्यम से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में इस बार महाकुंभ की तर्ज पर एआई क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जा रहा है। इससे न सिर्फ भीड़ का वैज्ञानिक विश्लेषण होगा, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी की जा सकेगी। कैमरों से प्राप्त आंकड़े प्रशासन के पास लाइव अपडेट के रूप में पहुंचेंगे। यह तकनीक सुरक्षा, अनुशासन और सुविधा तीनों सुनिश्चित करेगा।

अयोध्या के डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि योगी सरकार की मंशा है कि दीपोत्सव का आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो, बल्कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से भी मिसाल बने। इसके लिए पूरे मेला क्षेत्र में एआई कैमरे इंस्टॉल किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

सामान्य पटाखे बनाम ग्रीन पटाखे

बारिश खत्म होते ही, ठंड की हल्की दस्तक के साथ प्रदूषण का अनचाहा आगमन भी हो चुका है। साल दर साल बीतते जा रहे हैं और प्रदूषण की समस्या से निजात ही नहीं मिल रहा है, क्योंकि इसकी जड़ों तक जाने की कोशिश ही नहीं हो रही है। केवल ऊपरी तौर पर नियम बनाकर प्रदूषण जैसी गंभीर और जटिल समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता, ये बात नीति नियंता भी अच्छे से जानते हैं। मगर शायद प्रदूषण दूर करना उनके लिए जीने-मरने का सवाल कभी रहा ही नहीं। उन्हें वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर काम करना है, तमाम सुविधा-संपन्न घरों में रहना है, छुट्टियों पर प्रदूषण रहित पर्यटक स्थलों पर वे जाते हैं और अगर बीमार पड़ें तो सात सितारा अस्पतालों में महंगा इलाज उनके लिए उपलब्ध है। लेकिन आम आदमी प्रदूषण की मार बारह महीने झेलता है, फिर भी समझ नहीं पाता कि उसे खुश कर-के आखिर में उसे ही धीरे-धीरे मारने का इंतजाम किया जा रहा है। दीपावली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखों की बिक्री और उपयोग की जो इजाजत दी है, वो इसी धीमी मौत का एक और उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट को कम नुकसानदायक पटाखों को जलाने की मंजूरी इसलिए देनी पड़ी क्योंकि दीपावली अब रोशनी, रंगों और मिठास से ज्यादा उस हिंदुत्व का त्योहार बन चुका है, जिसे अपने प्रचार के लिए कानफोडू शोर की जरूरत पड़ती है। न जाने किस तरह बहुतेरे हिंदुओं के दिमाग में यह बात भर दी गई कि दीपावली पर पटाखे जलाने से रोकना धर्म का अपमान है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाजपा का इस मुहिम में बड़ा योगदान रहा। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण का ज्ञान बांटते हैं, लेकिन अपनी पार्टी के लोगों और समर्थकों को यह नहीं समझा सकते कि धर्म की राजनीति चलती रहेगी, कम से कम त्योहार को इसमें बख्श दें। अगर आज मोदी लोगों से अपील करें कि वे पटाखे न जलाएं, दीए, कंदील जलाकर, रंगोली सजाकर दीवाली मना लें, तो उनके अनुयायी खुशी-खुशी इस बात को मानेंगे। जब बालकनी में आकर थाली पीट सकते हैं, तो ये काम भी कर ही सकते हैं। मगर मोदी को भी ये डर है कि हिंदुत्व के नाम पर जिन लोगों को पूरी तरह गुमराह किया जा चुका है, वे इस बात को गलत तरीके से ले कर अपनी नाराजगी मोदी पर ही उतार सकते हैं। इसलिए भाजपा में अब पटाखों की नहीं, ग्रीन यानी हरित पटाखों की बात होती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट का आभार माना है कि उसने इन पटाखों के लिए मंजूरी दी।

गजल

तसल्ली दे रहा खोकर।
मिलेगा क्या उसे रो कर।।
रहोगे चैन से तुम क्या।
दिलों में द्वेष को बो कर।।
बढ़ेगी दुश्मनी ज्यादा।
यूं ही मनभेद को ढो कर।।
वचन मीठा रहेगा गर।
रहोगे लाडला होकर।।
सभी कुछ जानता है दिल।
अगर जो दिल कहे वो कर।।
सुनहरे पल न खो देना।
कहीं 'मिन्टू' यूं सो कर।।

-**मिन्टू कुमार** (बेगूसराय)

जयंती

ओम पुरी

जन्म-18 अक्टूबर, 1950, अम्बाला, पंजाब; मृत्यु-6 जनवरी, 2017, अंधेरी, मुम्बई) हिन्दी फिल्मों के उन प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक थे, जो अपनी अभिनय क्षमता से किसी भी किरदार को पर्दे पर जीवंत करने में सक्षम थे। वे भारतीय सिनेमा के एक कालजयी अभिनेता थे। उनके अभिनय का हर अंदाजदर्शकों को प्रभावित करता है। रूपहले पर्दे पर जब ओम पुरी का हँसता-मुस्कुराता चेहरा दिखता है तो दर्शकों को भी अपनी खुशियों का अहसास होता है और उनके दर्द में दर्शक भी दु:खी होते हैं। हिन्दी फि ल्मों में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें 'राष्ट्रीय फि ल्म पुरस्कार', 'फिल्म फेयर पुरस्कार' और 'पद्मश्री' आदि से भी सम्मानित किया गया था। ओम पुरी हिन्दी सिनेमा के वह सितारे थे, जिन्हें लोग हर भूमिका में देखना पसंद करते थे। कलात्मक सिनेमा हो या कमर्शियल सिनेमा, वह सभी जगह अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे।

पुण्यतिथि

रावुरी भारद्वाज

जन्म-1927; मृत्यु-18 अक्टूबर, 2013, तेलुगू उपन्यासकार, लघु-कथा लेखक, कवि एवं समीक्षक थे। वह ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित हो चुके थे। रावुरी भारद्वाज वर्ष 2012 में 48वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिये चयनित हुए थे। रावुरी भारद्वाज के 40 लघुकथा संग्रह, 20 उपन्यास, तीन निबंध संग्रह और 8 नाटक एवं पाँच रेडियो रूपान्तरण प्रकाशित हुए। उन्होंने बच्चों के लिए 6 लघु उपन्यास 'कादंबरी', 'पकुदुराल्लू', 'जीवन समारम', 'इनुपू तेरा वेनुका', 'कौमुदी' और '5 लघुकथा संग्रह', लिखे। उनके अधिकांश रचनाकर्म का प्रमुख भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है। डॉ. रावुरी भारद्वाज का जन्म तत्कालीन हैदराबाद स्टेट के मोगुलूरू गांव में हुआ था, जहां से वे आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में ताडीकोंडा गांव चले गए। आठवीं तक औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने वाले डॉ. रावुरी भारद्वाज को तीन विश्वविद्यालयों ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की।

कल मिलेंगे

गप्पू ने बड़े प्यार से शादीशुदा आदमी से पूछा-
रात को ऑनलाइन कब आते हो?, दर्द की दीवारें हिल गईं जब उसने कहा-
बर्तन धोने के बाद...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी एवं संपादक **संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा मकान नं. 35, नियर श्री साई उपवन सोसाइटी, युसुफपुर चाक सबेरी चिपयाना, जिला-गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
(समस्त विवाद गौतम बुद्ध नगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।)
RNI No.: UPHIN/2022/83688
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanaup22@gmail.com

आखिर कौन बनेगा बिहार का अगला मुख्यमंत्री, गठबंधन सस्पेंस बरकरार! नीतीश-तेजस्वी के नाम की घोषणा का इंतजार

कांग्रेस पार्टी का गुप्त तौर पर यह भी मानना है कि राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जंगलराज (2000-2005) को बिहार के लोग नहीं भूले हैं। ये दोनों तेजस्वी यादव के माता-पिता हैं, जिनपर कई तरह के भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं। आईआरसीटीसी से जुड़े एक घोटाले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है

-कमलेश पांडेय

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए टिकट के बंटवारे के बाद भले ही चुनाव प्रचार अभियान शुरू हो गया है, लेकिन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), कांग्रेस नीत इंडिया महागठबंधन और जनसुराज पार्टी ने अपने-अपने मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस अभी तलक बरकरार रखा है। इससे मतदाताओं का संशय बढ़ता जा रहा है। इससे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को दिन में ही तारे नजर आ रहे हैं, क्योंकि गठबंधन सहयोगियों ने इनके पर कतर डाले हैं!

यही वजह है कि एनडीए के घटक दल हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि मुख्यमंत्री का नाम अब स्पष्ट कर दिया जाना चाहिए। जबकि भाजपा, कांग्रेस और जनसुराज की सुविचारित रणनीति है कि मुख्यमंत्री के नाम का फैसला विधायक दल करेगा। सवाल है कि जीतन राम मांझी ने ऐसा क्यों कहा? क्या नीतीश कुमार के इशारे पर उन्होंने ऐसा कहा, या फिर कोई और बात है।

बताया जाता है कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विगत दो दशकों से इस पद पर एन-केन-प्रकारेण काबिज हैं। बीच में उन्होंने कुछ समय के लिए दलित नेता जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनवाया था, लेकिन उनके रंग बदलने के बाद फिर से कमान अपने हाथ में ले लिए। वर्ष 2020 के चुनाव में कम सीटें मिलने के बाद भी भाजपा नेताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाये रखा, जिससे उनके सियासी महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणक्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे। ऐसे में नीतीश कुमार और उनके समर्थकों की इच्छा है कि भावी मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार के नाम की घोषणा की जाए। जबकि भाजपा सिर्फ इतना कहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही राजग चुनाव लड़ रहा है।

समझा जा रहा है कि भाजपा, जदयू, लोजपा आर, हम और रालोमो के बीच टिकट बंटवारे को लेकर जो खींचातानी चली, उससे एनडीए की प्रतिष्ठा और साख दोनों प्रभावित हुई है। इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह फूंक-फूंक कर कोई भी कदम उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि उम्रदराज नेता नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही युवा वर्ग एनडीए से छिटक सकता है। दूसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर हावी हो सकता है। तीसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के विरोधी भीतरघात कर सकते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार को एक मौका और दिए जाने की वकालत एनडीए में जारी है।

ठीक इसी प्रकार कांग्रेस भी इंडिया महागठबंधन के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नाम का ऐलान करने से बचना चाहती है। क्योंकि उसे डर है कि ऐसा करते ही सवर्ण और दलित मतदाता कांग्रेस से छिटक जाएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के पहले या बाद में इस वर्ग का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ा है। वहीं, अल्पसंख्यकों ने भी क्षेत्रीय दलों का साथ छोड़कर कांग्रेस को प्राथमिकता दी है।

कांग्रेस पार्टी का गुप्त तौर पर यह भी मानना है कि राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जंगलराज (2000-2005) को बिहार के लोग नहीं भूले हैं। ये दोनों तेजस्वी यादव के माता-पिता हैं, जिनपर कई तरह के भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं। आईआरसीटीसी से जुड़े एक घोटाले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है। खुद तेजस्वी यादव पर भी उपमुख्यमंत्री पद के दुरूपयोग के आरोप लगे हैं।

यही वजह है कि राहुल गांधी उनके नाम के ऐलान से परहेज कर रहे हैं, क्योंकि कांग्रेसी रणनीतिकारों ने भी उन्हें यही सुझाव दिया है। इसी के चलते सीट बंटवारे में भी तेजस्वी यादव, कांग्रेस को उसका वाजिब हिस्सा नहीं दे रहे हैं। जब एक कमजोर कांग्रेस 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तो 2024 के बाद मजबूत हुए कांग्रेस को 100 सीटें नहीं देना गठबंधन न्याय नहीं कहा जा सकता है। रही बात चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज की तो वह शुरू से ही बिना मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा किए ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं और एनडीए और इंडिया महागठबंधन को नाको चने चबाने पर मजबूर कर रहे हैं। कहीं उनके उम्मीदवार एनडीए की हार की वजह बनेंगे तो कहीं इंडिया गठबंधन की हार की वजह बनेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन की लड़ाई के बीच जनसुराज के उम्मीदवार बाजी भी मार सकते हैं। समझा जाता है कि बिहार के मतदाता टीम लालू प्रसाद और टीम नीतीश कुमार को पिछले 35 सालों से आजमा रहे हैं। इसलिए नए दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरे प्रशांत किशोर के उम्मीदवारों को वह ग्रेस भी दे सकते हैं, क्योंकि राजनीतिक सिरफुटौव्वल के बिहारी मतदाता शुरू से विरोधी रहे हैं। कांग्रेस, जनता पार्टी, जनता दल, भाजपा, राजद, जदयू, लोजपा को सियासी सबक देने का कारण एक यह भी माना जाता है।

भाजपा-कांग्रेस के राष्ट्रीय सूत्रों का कहना है कि चूंकि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव आपस में भी सांठगांठ करके सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इनकी रणनीति से सावधान रहने में ही राष्ट्रीय दलों की भलाई है। बिहार में क्षेत्रीय दलों की मंशा रहती है कि राष्ट्रीय दल महज उसके पिछलग्गू बने रहें। लेकिन इस बार स्थिति अलग है। राष्ट्रीय दलों के चक्रब्यूह में दोनों नेता बुरी तरह से घिर गए हैं और बार बार पुराने सम्बन्धों की दुहाई देकर अस्तित्व रक्षा की कवायद कर रहे हैं, जो काफी मुश्किल बात है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समृद्ध का एहसास कराता है धनतेरस

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें

-रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस का त्योहार दीपावली पर्व के प्रारम्भ को दशार्ता करता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

"ॐ धन्वंतराये नमः " धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली परपर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पीएम मोदी ने मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात, पश्चिम एशिया में शांति पर भारत-मिस्र की अहम पहल

(एजेन्सी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती से मुलाकात की और कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी को "एक मित्र" बताया और गाजा शांति समझौते में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उनकी गहरी सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती का स्वागत करके प्रसन्नता हुई। गाजा शांति समझौते में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए अपने मित्र, राष्ट्रपति सीसी के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी हमारे लोगों, हमारे साझा क्षेत्र और मानवता के लाभ के लिए लगातार मजबूत होती जा रही है।

अब्देलट्टी दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत की। उन्होंने जयशंकर के साथ भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। इस वार्ता को "एक मील का पत्थर" बताते हुए, जयशंकर ने कहा कि इसने दोनों देशों को प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। उन्होंने कहा, "पहली भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता के लिए हमारी बैठक हमारे संबंधों में एक मील का पत्थर है। 2023 में हमारे संबंधों के रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित होने के बाद से, हमने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग में वृद्धि देखी है।"

चर्चा व्यापार, निवेश, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल नवाचार में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें पश्चिम एशिया में स्थिरता और वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ावा देना शामिल है। जयशंकर ने रेखांकित किया कि भारत और मिस्र "वैश्विक दक्षिण की प्रगति और विश्व मामलों में राष्ट्रों की स्वतंत्रता और पसंद की स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद मिस्र की एकजुटता की भी सराहना की और बताया कि घटना के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति सिसी ने बातचीत की थी। अब्देलट्टी ने कहा कि पहली रणनीतिक वार्ता साझेदारी की पूरी क्षमता को उजागर करने के दोनों नेताओं के साझा दृष्टिकोण को दशार्ती है। उन्होंने कहा, "यह जून 2023 में रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद से हमारे दोनों नेताओं की प्रतिबद्धताओं का प्रमाण है। हमारे बीच इतिहास, भूगोल और साझा हितों से जुड़ा एक दीर्घकालिक संबंध है, लेकिन हमें अपने दो महान लोगों के लाभ के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे।"

5.6 तीव्रता के भूकंप से अफगानिस्तान में दहशत, जम्मू-कश्मीर भी हिला; पिछली तबाही की यादें ताजा

(एजेन्सी)।

शुक्रवार को अफगानिस्तान में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया और जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। शुक्रवार शाम लगभग 5.45 बजे अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा के पास 10 किलोमीटर की गहराई पर भूकंप का केंद्र था। हालांकि, किसी भी संपत्ति के नुकसान, घायल होने या हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है क्योंकि लोग पिछले महीने आए विनाशकारी भूकंप की बुरी यादें अभी भी लोगों के जेहन में ताजा होने के कारण डर के साये में जी रहे हैं।

4 सितम्बर को दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, जो चार दिनों के अंतराल में उसी क्षेत्र में आया तीसरा भूकंप था, जब देश में वर्षों में आए सबसे घातक भूकंपों में से एक में 2,200 से अधिक लोग मारे गए थे। पिछले महीने आए विनाशकारी भूकंप में, पूरे के पूरे गाँव जमींदोज हो गए, और लोग मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने घरों के मलबे में फँस गए, जो झटके झेलने में असमर्थ थे। अफगानिस्तान भूकंप और झटकों के लिए अतिसंवेदनशील है क्योंकि यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक में स्थित है, जहाँ भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं।

यह अत्यधिक भूगर्भीय दबाव भूपर्पटी को तोड़कर उसमें दरार डाल देता है, जबकि हिंदू कुश पर्वतों में, यह स्थलमंडल के कुछ हिस्सों को मेंटल में गहराई तक धकेल देता है। परिणामस्वरूप, उत्तरी अफगानिस्तान के पामीर-हिंदुकुश क्षेत्र में अक्सर तीव्र भूकंप आते हैं, जिनमें से कुछ 200 किलोमीटर की गहराई तक पहुँचते हैं-जो विश्व स्तर पर एक दुर्लभ घटना है। इसके विपरीत, पश्चिमी पाकिस्तान और दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में फैली सुलेमान पर्वत श्रृंखला में, भूकंप आमतौर पर उथले और सतह के करीब होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर गंभीर विनाश होता है।

अर्जुन बिजलानी बने 'राइज एंड फॉल' के विजेता

(एजेंसी)।

टेलीविजन अभिनेता अर्जुन बिजलानी, अशनीर ग्रोवर के शो राइज एंड फॉल के विजेता बन गए हैं। शुक्रवार सुबह, अर्जुन ट्रॉफी हाथ में लिए शो के सेट से बाहर निकले और उन्होंने पैपराजी के लिए पोज दिया और सभी के बधाई देने पर आभार व्यक्त किया। अर्जुन ने कहा, "आप जानते हैं, मैं असल में घर जाकर अपने बिस्तर पर लेटना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि मैं यही चाहता हूँ।" और फिर उन्होंने कहा, "मैं अपने बेटे को भी गले लगाना चाहता हूँ।" इस बीच, आरुष भोला और अरबाज पटेल क्रमशः पहले और दूसरे रनर-अप रहे। बता दें कि 'राइज एंड फॉल' का अंतिम एपिसोड आज, 17 अक्टूबर, 2025 को दोपहर 12 बजे प्रसारित हुआ।

ओटीटी-आधारित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' ने अपने अद्भुत प्रतियोगियों के साथ प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है। शो अब समाप्त हो गया है और अर्जुन बिजलानी ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। प्रशंसक और इंडस्ट्री के करीबी लोग उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं और रियलिटी शो में उनके सफर की सराहना कर रहे हैं। इस दमदार रियलिटी शो में कुछ मजेदार एपिसोड भी पेश किए गए। पवन सिंह ने ग्रैंड फि नाले के लिए शो में वापसी की और अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों को प्रभावित किया। इसके अलावा, होस्ट अशनीर ग्रोवर ने भी अपनी बुद्धि और हास्य से प्रशंसकों को खूब प्रभावित किया। राइज एंड फॉल सीजन 1

का बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फि नाले 17 अक्टूबर, 2025 को प्रसारित होने वाला है। अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किया जाने वाला यह अंतिम एपिसोड रणनीति, ड्रामा और भावनाओं से भरपूर होने का वादा करता है। प्रशंसक एमएक्स प्लेयर और अमेजन प्राइम वीडियो पर इस फिनाले को स्ट्रीम कर सकते हैं, जिससे देश-विदेश के दर्शकों के लिए इसे देखना आसान हो जाएगा।

अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किया गया, राइज एंड फॉल प्रतियोगियों के दो समूहों के बीच सत्ता की लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमता हैः एक पेंटहाउस में रहने वाले आलीशान शासक और एक तहखाने में संघर्षरत मजदूर। मजदूरों को धन कमाने के लिए चुनौतियाँ और कार्य पूरे करने होंगे, जिससे शासकों को हटाकर पेंटहाउस में उनकी जगह लेने की संभावना होगी, जबकि शासक अपने विशेषाधिकार प्राप्त पदों को बनाए रखने की योजना बनाते हैं।

भारतीय दूरसंचार सेवाएं वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन में शामिल : ज्योतिरादित्य सिंधिया

(एजेन्सी)।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय दूरसंचार सेवाएं विश्व स्तर पर शीर्ष तीन में शामिल हैं और इन्हें और बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि सेल स्तर पर सेवा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक अक्टूबर से और कड़े मानदंड लागू किए गए हैं। मंत्री ने कहा, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय दूरसंचार सेवाएं शीर्ष तीन देशों में शामिल हैं और इन्हें बेहतर बनाने के हमारे प्रयास जारी हैं। दूरसंचार नियामक ट्राई ने उन मानदंडों को लागू किया है, जिनका इस्तेमाल सर्कल स्तर से लेकर सेल स्तर तक सेवाओं की गुणवत्ता मापने के लिए किया जाता था। मंत्री ने कहा कि दूरसंचार परिचालकों ने नए मानदंडों के आधार पर पहली रिपोर्ट दी है और उन मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा चल रही है, जहां सेवा की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं है।

रणजी ट्रॉफी में रजत पाटीदार ने जड़ा पहला दोहरा शतक, टीम इंडिया में वापसी के लिए ठोकी दावेदारी

(एजेन्सी)। आईपीएल में आरसीबी को 17 साल बाद पहली बार अपनी कप्तानी में खिताब जिताने वाले रजत पाटीदार के सितारे गर्दिश में है। उनका प्रदर्शन दिन प्रतिदिन बेहतर होता जा रहा है। पहले आईपीएल और फिर दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी और अब रणजी ट्रॉफी में रजत पाटीदार का बल्ला आग उगल रहा है। जब से रजत ने एमपी रणजी टीम की कमान संभाली है। वह कमाल पर कमाल कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। पिछली 8 पारियों में धमाल मचाने वाले रजत ने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले मुकाबले में दोहरा शतक लगाकर टीम इंडिया में वापसी की दावेदारी ठोक दी है।

पंजाब के खिलाफ मध्य प्रदेश के नए कप्तान ने पहले ही मैच में दोहरा शतक ठोककर अपनी टीम को मजबूत बढ़ा दिला दी है। ये रजत पाटीदार के प्रथम श्रेणी करियर का 16वां शतक और पहला दोहरा शतक है। उनकी इस पारी की मदद से मध्यप्रदेश ने पंजाब के खिलाफ पहली पारी में 270 से ज्यादा रन की बढ़त बना ली है। रजत पाटीदार के बल्ले से पिछली 8 फर्स्ट क्लास पारियों में अभी तक 663 रन निकल चुके हैं। खबर लिखे जाने तक वह पंजाब के खिलाफ 205 रन बनाकर नाबाद हैं।

संकल्प से सिद्धि: हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर गरीब परिवारों और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को मिली बड़ी सौगात

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गरीब परिवारों को बड़ी सौगात मिली। 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के दूसरे चरण के तहत प्रदेशभर में लाभार्थियों को 141 ग्राम व 2 महाग्राम पंचायतों में 8,029 प्लॉटों का आवंटन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के दूसरे चरण में पिंजौर शहर में 518 प्लॉटों का भी आवंटन किया गया।

जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना' के कुछ लाभार्थियों को मंच पर आवंटन पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद कल्याण, विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में

किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत लाभार्थियों को 3 हजार रुपये प्रति माह पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। 1 नवंबर, 2025 से सरकार इसमें 200 रुपये की वृद्धि करने जा रही है। जिसके बाद नवंबर माह से लाभार्थियों को 3200 रुपये प्रति माह का लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 100 गज के जिन लाभार्थियों को आज अधिकार पत्र प्रदान किए गए हैं, उनको रजिस्ट्री कराने की सुविधा के लिए धनतेरस के दिन भी तहसील खुली रहेंगी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विगत 26-27 जुलाई को ग्रुप–सी पदों की भर्ती के लिए सीईटी परीक्षा का सफल संचालन किया गया। युवाओं द्वारा दस्तावेजों में सुधार करने के लिए पोर्टल खोलने की मांग आई आ रही थी। आज हरियाणा कर्मचारी आयोग द्वारा इस करेक्शन पोर्टल को खोल दिया गया है। यह पोर्टल 17 अक्तूबर, 2025 से लेकर 24 अक्तूबर, 2025 रात 11:59 बजे मिनट तक खुला रहेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पंचायतों को विकास कार्यों के लिए स्टैम्प ड्यूटी और बिजली की खपत पर पंचायत सेस की 1,044 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि जारी की। साथ ही, प्रदेश के 322 गांवों में फिरनियों के निर्माण के लिए 169 करोड़ रुपये की राशि भी दी। इसके अलावा, शहरों में भी विकास कार्यों के लिए नगर निकायों को 1,483 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि जारी की गई। कुल मिलाकर आज पंचायतों और नगर निकायों को डेवलपमेंट ग्रांट के रूप में 2,697 करोड़ 34 लाख रुपये की राशि वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने नॉन स्टॉप हरियाणा के नारे के अनुकूल डबल इंजन सरकार के माध्यम से सशक्त हरियाणा, समृद्ध हरियाणा, शिक्षित हरियाणा और स्वस्थ हरियाणा बनाने के लिए हमें तीसरी बार जनादेश दिया। यही नहीं, स्थानीय निकायों के चुनाव में भी भाजपा को भारी बहुमत दिया। इस तरह हमारी ट्रिपल इंजन सरकार के जरिए जनता ने हमें तीन गुणा शक्ति प्रदान की है। इसलिए विकसित हरियाणा बनाने के लिए हम तिगुणी गति से काम कर रहे हैं।

धनतेरस पर असंध तहसील में सुचारू रूप से चालू रहेगी रजिस्ट्री प्रक्रिया-एसडीएम असंध

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। असंध एसडीएम राहुल ने सभी क्षेत्रवासियों को सूचित करते हुए बताया कि हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार असंध तहसील में धनतेरस के अवसर पर शनिवार को सभी प्रकार की रजिस्ट्री प्रक्रिया सुचारू रूप से चालू रहेगी। आमजन शनिवार को तहसील कार्यालय में रजिस्ट्री करवा सकेगे।

इसके अतिरिक्त एसडीएम असंध ने सभी को धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की कृपा सब पर बनी रहे और दीयों की रोशनी सबके जीवन को रोशन करे और सभी परेशानियां दूर कर जीवन में धन-धान्य की वृद्धि प्राप्त करे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक करनाल मण्डल ने 31 पुलिस कर्मचारियों को दीपावली पर पदौन्नति का दिया तोहफा

■ जिला कैथल के कई पुलिस कर्मचारी हुए लाभान्वित

संजना भारती संवाददाता

कैथल। डॉ. एम. रवि किरण अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक करनाल मण्डल, करनाल द्वारा करनाल मण्डल के जिला करनाल, पानीपत और कैथल में कार्यरत 09 उप निरीक्षको को निरीक्षक व 16 सहायक उप निरीक्षको को उप निरीक्षक के पद पर पदौन्नत किया। 01 मुख्य सिपाही को सहायक उप निरीक्षक, 03 सहायक उप निरीक्षक को ई. उप निरीक्षक, 02 मुख्य सिपाहियो को ई. सहायक उप निरीक्षक के पदो पर पदौन्नत किया गया। इसके साथ-साथ ही पांच पुलिस कर्मचारियों को निलम्बन से बहाल करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा शुभ कामनाएं भी दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महोदय ने कहा कि पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की पदौन्नती के साथ साथ उनका विभागिय दायित्व भी बढ़ता है। इसलिए पदौन्नती उपरान्त मिली नई जिम्मेवारियो को जोश एंव उत्साह के साथ बखुबी निभाना चाहिए।

दीपावली पर पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने करवाया 165 घरों में उजियारा

■ बिजली बिल न भरने पर कटे हुए बिजली कनेक्शन जुड़वाकर लगवाए बिजली के नए मीटर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा ने पूंडरी हलके में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल पेश की है। उन्होंने दिवाली पर पूंडरी हलका के 165 घरों में उजियारा करवाया। उन्होंने उन गरीब लोगों को राहत देने का काम किया है, जिनके घर का उजाला आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अंधकारमय हो गया था। विधायक सतपाल जांबा ने दरियादिल दिखाते हुए पूंडरी हलके के ऐसे 165 उपभोक्ताओं की पहचान की, जिनका पैसों की कमी के कारण घर का बिजली का कनेक्शन कट गया था। इन परिवारों को अपने निजी कोष से आर्थिक सहायता करके उनके बिजली के कनेक्शन को शुरू करवाया तथा दीपावली के इस अवसर पर उनके घर में उजाला कर दिया।

विधायक सतपाल जांबा सफाई अभियान सहित अनेकों अनोखी पहलों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं और प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपने हलके में निरंतर विकास कार्य

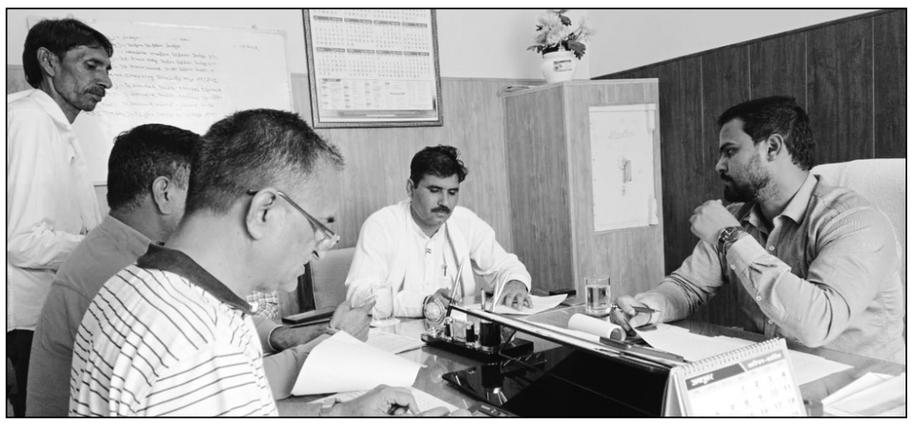

करवा रहे हैं और धरातल पर विकास कार्यों की पूरी निगरानी भी रख रहे हैं। अभी हाल ही में उन्होंने हलके के करोड़ों रुपये की धनराशि से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया था। विधायक न केवल विकास कार्यों के लिए बल्कि सामाजिक सुधार के लिए भी बीड़ा उठाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में विकास कार्य करके आमजन तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से केंद्र व प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास-सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए नई-नई योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करते हुए सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की है। नवंबर माह से पात्र महिलाओं के खाते में 2100 रुपये डाले जाएंगे। वहीं आज प्रदेश सरकार के तीसरे कार्यकाल का प्रथम वर्ष पूरा होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के हजारों परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 100-100 गज के प्लाट वितरित किए हैं। उनका भी प्रयास है कि पूंडरी में दिवाली पर किसी के घर में अंधेरा न रहे। उन्होंने ऐसे परिवारों की पहचान की है, जिनके घरों में बिजली बिल न भर पाने के कारण अंधेरा हो गया था। अब इन सभी घरों में बिजली के बिल भरवाकर बिजली के नए मीटर लगवा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी क्षमता के अनुसार समाज सेवा करनी चाहिए। पूंडरी में आगे भी यह सेवा कार्य जारी रहेगा। उन्होंने सभी को दिवाली की शुभकामनाएं दीं और सभी को उत्साह व प्रेम से दिवाली पर्व मनाने का आह्वान किया।

धनतेरस के पावन अवसर पर छुट्टी के दिन भी लोग करवा सकेंगे जमीन की रजिस्ट्री: डीसी प्रीति

■ डीसी ने 18 अक्टूबर को कैथल की सभी तहसील और उप तहसीलों को खुला रखने के दिए आदेश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के आदेशानुसार कैथल जिले में पहली बार धनतेरस के पावन पर्व पर छुट्टी के दिन भी सभी तहसील और उप तहसील खुली रहेंगी। इस दिन लोग अपने प्लॉटों की रजिस्ट्री करवा सकेंगे। इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में हरियाणा सरकार के एक साल के गौरवमयी वर्ष पूरा होने को लेकर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के उपरांत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत प्लॉट अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किए हैं। साथ ही

उपायुक्त कैथल प्रीति।

उन्होंने मंच से पूरे प्रदेश में धनतेरस के पावन पर्व पर छुट्टी होने के बावजूद तहसील और उप तहसील कार्यालय को कार्य दिवस की तरह खोलने की घोषणा की, ताकि धनतेरस पर लोग शुभ कार्य में अपने जमीन की रजिस्ट्री भी करवा सके।

इसके साथ ही नागरिक रजिस्ट्री करवाने को लेकर मौके पर ही अपायटमेंट ले सकेंगे, ताकि लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत और परेशानी ना आए। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का नागरिकों को धनतेरस की छुट्टी पर रजिस्ट्री करवाने का अवसर देने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों को सरकार की इस घोषणा का अधिक से अधिक संख्या में फायदा उठाना चाहिए।

एक वर्ष की अवधि में हरियाणा में हुआ तीन गुणा रफ्तार से विकास

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला साल बहुत ही कमाल का रहा, वहीं भाजपा सरकार के 11 साल बेमिसाल रहे। इस अवधि में सरकार विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को मिल रहा है। पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 46 वादों को एक साल में ही पूरा कर दिखाया है। यही नहीं, 158 वादों पर काम प्रगति पर है। यह एक वर्ष का समय भले ही कम है, लेकिन प्रदेश सरकार ने जिस नॉन-स्टाप विकास का संकल्प लिया था, उसकी सिद्धि में यह एक वर्ष विकास की तीन गुणा गति का साक्षी है।

बीजेपी जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जन विश्वास-जन विकास समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि संबोधन दे रहीं थीं। इस मौके पर उनके साथ पूर्व विधायक लीला राम भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आवास योजना

2.0 के तहत 36 लाभार्थियों 100-100 गज प्लाट के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार की गई पुस्तिका का विमोचन किया। जिसमें सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी गई है। अतिथि गणों ने जिलावासियों को प्रदेश सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के लोगों ने लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई है। यह काम तभी हो सकता है जब लोगों का अपने जन प्रतिनिधियों पर, अपनी सरकार पर और सरकार के विकास पर, विश्वास हो। यही काम प्रदेश की जनता ने सरकार के दो

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 46 वादों को एक साल में ही किया पूरा: ज्योति सैनी

शासनकाल में होते हुए देखें, तभी भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास किया और प्रदेश के विकास को और गति देने के लिए तीसरी बार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार का गठन किया। उन्होंने कहा कि नए मंत्रिमंडल के गठन के साथ ही 17 अक्तूबर, 2024 को 24 हजार युवाओं को ग्रुप-सी की सरकारी नौकरियां दी गई। सभी नागरिक जिला अस्पतालों व मेडिकल कालेजों में किडनी रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस सेवाएं शुरू की गई। नवम्बर, 2024 में आयोजित पहले विधानसभा सत्र में ही अनुबंधित कर्मचारियों, तकनीकी शिक्षा, अतिथि संकाय और कॉलेजों के एक्सटेंशन लेक्चरर व अतिथि प्राध्यापकों को सेवा सुरक्षा प्रदान की। सभी 24 फसलों एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। किसानों को 48 घंटे के अन्दर डी.बी.टी. के माध्यम से सीधा खाते में पैसे डाले जाते हैं।

उन्होंने कहा कि हर घर-हर गृहणी योजना के तहत प्रदेश के 15 लाख से अधिक अंत्योदय तथा बी.पी.एल. परिवारों को केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 70 साल से अधिक आयु वर्ग के सभी बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये सालाना की मुफ्त इलाज सुविधा शुरू की गई। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन करवाए जाते हैं। नागरिक कल्याण नगर निकायों में समाधान शिविरों के माध्यम से 75 हजार से अधिक शिकायतों का समाधान किया किया गया। इसके अतिरिक्त, जनसंवाद पोर्टल के माध्यम से भी आमजन की 45 हजार से अधिक शिकायतों का समाधान किया गया। आज हरियाणा प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में निरंतर विकास की गति पर अग्रसर है।

इस मौके पर डीसी प्रीति, जिप सीईओ सुरेश रविश, जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, डीआईओ दीपक खुराना, डीएसओ राज रानी, बीडीपीओ सुमित चौधरी, जगजीत, अन्नू टोंक, कैथल ब्लॉक समिति के चेयरमैन विनोद कुमार सांघन, पूंडरी ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन सुषमा देवी, भाजपा जिला महामंत्री सुरेश संधु, सुरजीत नैन, राममेहर, रामकुमार नैन, कुशलपाल आदि मौजूद रहे।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को राज्य भर में मनाया जाएगा: नायब सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस को राज्य भर में मनाया जाएगा। इसके लिए आगामी एक नवंबर से 25 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में एक समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री यहां अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर में उक्त कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की अतिरिक्त निदेशक खांगवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रभलीन सिंह एवं वीरेंद्र बढ़खालसा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन की नई पहचान: 'बिना पर्ची, बिना खर्ची' बना तीसरी बार भाजपा सरकार की जीत का मंत्र: मनोहर लाल

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज शुक्रवार को फरीदाबाद में जिला स्तरीय जन विश्वास-जन विकास समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस समारोह की शुरूआत मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत लाभार्थियों को 50-100 वर्ग गज के प्लॉट आवंटन पत्र वितरित करके की गयी।

केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा आज प्रदेशभर में लगभग 9000 पात्र लाभार्थियों को 50-100 गज के प्लॉट आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य सरकार की एक विशेष पहल है, जिसके माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध करवाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने इस अवसर पर सभी लाभार्थियों को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्लॉट उनके लिए दीपावली का उपहार हैं, जिससे उनका घर का सपना साकार होगा। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार ने मिलकर पिछले 11 वर्षों में विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में अब तक करोड़ों परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है और अगले चार वर्षों में 7 करोड़ मकान प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हरियाणा में ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र परिवारों को न केवल प्लॉट आवंटित किए जा रहे हैं, बल्कि मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता भी दी जा रही है, ताकि हर परिवार के सिर पर एक सुरक्षित छत हो सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य केवल ईंट और गारे का मकान बनाना नहीं, बल्कि हर घर को शौचालय, बिजली, गैस, स्वच्छ पानी और राशन जैसी सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करना है। हरियाणा देश का पहला कैरोसिन फ्री स्टेट बना, जहां हर घर तक बिजली, गैस कनेक्शन और नल से जल की सुविधा पहुंचाई गई है।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने ई-गवर्नेंस के माध्यम से प्रशासन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाया है। सीएम विंडो, सरल पोर्टल, परिवार पहचान पत्र, ओल्ड एज पेंशन और ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को घर बैठे सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बिना पर्ची, बिना खर्ची की भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस और स्वामित्व योजना जैसी पहले सुशासन की मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

गरीबों को मकान, सम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में यह योजना एक सशक्त कदम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिना पर्ची, बिना खर्ची का नारा केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि सुशासन की नई परंपरा की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि यही नारा जनता के विश्वास का प्रतीक बना और इसी जनसमर्थन के बल पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार आज देश के सामने बड़ी चुनौती है और मोदी सरकार ने इस पर निर्णायक प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हाल के घटनाक्रमों को राजनीतिक या जातिगत रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि सभी समस्याओं की जड़ भ्रष्टाचार है। इस पर चोट करना केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का स्पष्ट संकल्प है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जीरो टॉलरेंस फॉर करप्शन नीति पहले भी लागू की गई थी और आगे भी सख्ती से जारी रहेगी। कोई भी व्यक्ति, चाहे कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, यदि भ्रष्टाचार में लिप्त पाया गया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा सभी को न्याय मिलेगा।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए अनेक सुधार लागू किए हैं। ऑनलाइन ट्रांसफर प्रणाली, सभी सेवाओं को डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

मिलावटी खाद्यान एवं पेय पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम हेतु अभियान जारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूँ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर-प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय सीएल यादव व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरपी सिंह के निर्देशन व नेतृत्व में आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों की उपलब्धता हेतु जनपद-बदायूँ में मिलावटी खाद्यान एवं पेय पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाये जाने वाले अभियान के क्रम में शुक्रवार को जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से विशेष अभियान के दौरान विभिन्न खाद्य परिसरों से कुल 08 खाद्य पदार्थों के नमूनों को वास्ते जाँच हेतु संग्रहित किए गए।

अभियान के दौरान आरिफपुर नवादा स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों पर एफएसडब्लू द्वारा 14 खाद्य पदार्थों के नमूनों को मौके पर ही चेक किये गये। आमजनमानस को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। भूड़ बिसौली स्थित निजाकत के प्रतिष्ठान से एक सरसों तेल का नमूना संग्रहित किया गया। शेष लगभग 198 कि०ग्रा० सरसों तेल (अनुमानित मूल्य 31680 रुपए) को नियमानुसार नष्ट कराया गया। सिसरका खेड़ा स्थित वाहन से एक पान मसाला का नमूना संग्रहित किया गया। डरेला स्थित लालाराम के प्रतिष्ठान से एक खोया का नमूना संग्रहित किया गया। मुड़िया धुरेकी स्थित जयप्रकाश शर्मा के प्रतिष्ठान से एक खोया का नमूना संग्रहित किया गया। अटल चौराहा बिसौली स्थित बंगाली भाई के प्रतिष्ठान से एक पेड़ा का नमूना संग्रहित किया गया। उधैती स्थित पालीवाल स्वीट्स से एक खोया का नमूना संग्रहित किया गया। बरामय खेड़ा स्थित अर्जुन किराना स्टोर से एक नमकीन का नमूना संग्रहित किया गया। बेहटा गुसाई बिल्सी स्थित आलम के प्रतिष्ठान से एक छेना मिठाई का नमूना संग्रहित किया गया।

अभियान में संग्रहित किए गए इन कुल 08 नमूनों को वास्ते जाँच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है।

हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए।

शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्राचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए।

इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।

बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि –

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ॐ नमः।

विधि – सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है– 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।

इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दुःख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दुःख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दुःखी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।

कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है–

कुबेर देव का मंत्र–

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें–

जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रूप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. एक पौराणिक कथा के अनुसार रन्ति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता हैं, उन्हें सारा वृतान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अतः तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

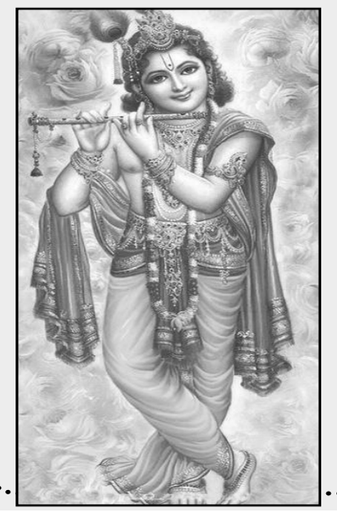

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विसरावं के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिकपाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।

आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गौरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ सिद्धियों के खज़ाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।

समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवग्रह मदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं–

–यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। –कर्ज से मुक्ति मिलती है। –गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। –व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। –आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। –किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें–

कुबेर मंत्र –

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'